



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (I)  
PART II—Section 3—Sub-section (I)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 358]

नई दिल्ली, बुधवार, सितम्बर 12, 1984/भाद्र 21, 1906

No. 358]

NEW DELHI, WEDNESDAY, SEPTEMBER 12, 1984/BHADRA 21, 1906

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 12 सितम्बर, 1984

सा. का. नि. 655(अ) :—केन्द्रीय सरकार, कम्पनी अधि-  
नियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 58-क की उप-धारा (7)  
के खण्ड (क) के उप-खण्ड (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग  
करते हुए, और भारत सरकार के कम्पनी कार्य विभाग की अधि-  
सूचना सं. सा. का. नि. 50 (अ) (X), तारीख 1 फरवरी,  
1977 को उन बातों के सिवाए अधिकांश करते हुए, जिन्हें ऐसे  
अधिक्रमण से पहले किया गया है या करने का लोप किया गया है,  
भारतीय रिजर्व बैंक से परामर्श करने के पश्चात् निम्नलिखित  
कम्पनियों को, ऐसी कम्पनी विनिर्दिष्ट करती है जिन पर कम्पनी  
अधिनियम, 1956 की धारा 58-क के उपबन्ध लागू नहीं होंगे  
अर्थात् :—

ऐसी कम्पनी जो लघु उद्योग एकक हैं और निम्नलिखित  
शर्तें पूरी करती हैं, अर्थात् :—

(क) कम्पनी की समादत्त पूंजी 7.5 लाख रुपये से  
अधिक नहीं है ;

(ख) कम्पनी पचास से अनधिक व्यक्तियों से निक्षेप  
प्रतिगृहीत करती है ;

(ग) निक्षेपों के लिए जनता को आमंत्रित नहीं किया  
जाता है ; और

(घ) कम्पनी द्वारा प्रतिगृहीत निक्षेपों की रकम 5 लाख  
रु. से या उसकी समादत्त पूंजी की रकम से,  
जो भी कम हो, अधिक नहीं है ।

परन्तु जहां कोई ऐसी कम्पनी लघु उद्योग एकक है जिस पर  
अधिसूचना सं. सा. का. नि. 50(अ), तारीख 1 फरवरी,  
1977 के उपबन्ध लागू होते हैं, वहां ऐसी कम्पनी इस अधिसूचना  
के प्रारम्भ की तारीख से कोई निक्षेप तब तक प्रतिगृहीत या उनका  
नवीकरण नहीं करेगी जब तक कि यह इस अधिसूचना की (क)  
(ख), (ग) और (घ) शर्तें पूरी नहीं करती है ।

स्पष्टीकरण :—इस अधिसूचना के प्रयोजनार्थ :—

(1) किसी “लघु उद्योग एकक” से अभिप्रेत है राज्य सर-  
कार के यथास्थिति उद्योग या लघु उद्योग निदेशा-  
लय में रजिस्ट्रीकृत को, औद्योगिक उपक्रम  
जिसकी बाबत संयंत्र और मशीनरी में विनिधान,  
मूल्य में 20 लाख रुपये से अधिक नहीं है ;

- (2) “निक्षेप” का वही अर्थ है जो कम्पनी (निक्षेप—प्रतिगृहण) नियम, 1975 के नियम 2 के खण्ड (ख) में है।

[फाइल सं. 4/17/83-सी, एल.-10]

आर. डी. मखीजा, अव्वर सचिव

(\*) मूल अधिसूचना सं. सा. का. नि. 50(अ), तारीख 1 फरवरी, 1977 का बाद में निम्नलिखित अधिसूचनाओं द्वारा संशोधन किया गया :—

1. सा. का. नि. 583(अ), तारीख 23 अक्टूबर, 1979।
2. सा. का. नि. 448(अ), तारीख 23 जुलाई, 1981।

### MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS

(Department of Company Affairs)

#### NOTIFICATION

New Delhi the 12th September, 1984

G.S.R. 655(E).—In exercise of the powers conferred by sub-clause (ii) of clause (a) of sub-section (7) of Section 58A of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) and in supersession of the notification of the Government of India in the Department of Company Affairs No. G.S.R. 50(E)\* dated 1st February, 1977, except as respects things done or omitted to be done before such supersession, the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India, hereby specifies the following companies as the companies to which the provisions of section 58A of the Companies Act, 1956, shall not apply, namely :—

Companies which are Small Scale Industrial Units and fulfil the following conditions, namely :—

- (a) Paid up capital of the company does not exceed Rs. 7.5 lakhs ;

- (b) The company accepts deposits from not more than 50 persons ;
- (c) There is no invitation to public for deposit and
- (d) The amount of deposits accepted by the company does not exceed Rs. 5 lakhs or the amount of its paid-up capital, whichever is less :

Provided that where a company is a Small Scale Industrial Unit to which the provisions of the notification No. G.S.R. 50(E) dated 1st February, 1977 applies, such company shall not, from the date of commencement of this notification, accept or renew any deposits unless it fulfills conditions (a), (b), (c) and (d) of this notification.

Explanation :—For the purpose of this notification,

- (i) a “Small Scale Industrial Unit” means any industrial undertaking registered with the Directorate of Industries or Small Scale Industries, as the case may be, of the State Government and in respect of which the investment in plant and machinery is not in excess of 20 lakhs of rupees in value;
- (ii) “Deposit” has the same meaning as in clause (b) of rule 2 of the Companies (Acceptance of Deposits) Rules, 1975.

[File No. 4/17/83-CL.X]

R. D. MAKHEEJA, Under Secy.

\*The principal notification G.S.R. 50(E) dated 1st February, 1977 has been amended subsequently by the following notifications :—

1. G.S.R. 583(E) dated 23rd October, 1979.
2. G.S.R. 448(E) dated 23rd July, 1981.